an>

Title: Issue regarding repeated use of bad language by a Chief Minister against leaders of politiical parties.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : अध्यक्ष महोदय, आज सत्ता के लालच ने राजनीतिज्ञों की स्थिति बहुत खराब कर दी है। चुनाव आयोग के द्वारा वर्तमान दिल्ली सरकार के केजरीवाल जी के 21 एम.एल.एज. को लाभ के दो पदों को लेकर नोटिस भेजे गये हैं। एक मुख्य मंत्री के द्वारा लगातार*â€¦* पर यह सरकार बनी हुई है।

माननीय अध्यक्ष : हम बार-बार कह रहे हैं कि यह एलिगेशन, *वगैरह कुछ मत बोलिये, सिर्फ अपनी बात कहिये।

श्री राजेश रंजन : मैं उसी पर कहना चाहता हूं कि लगातार किस तरह राजनीति में कभी एक-दूसरे को नीचे दिखाने और गाली देकर देश के सम्मान और स्वाभिमान को जिस तरीके से गिरवी रखा जा रहा है। कभी सोनिया गांधी को जेल भेजो, कभी प्रधान मंत्री झूठे हैं, कहा जाता है।

मैं जानना चाहता हूं कि इस देश में राजनीतिज्ञों के लिए क्या शिक्षा का कोई सवाल और मतलब नहीं रह जाता है। राजनीतिक क्षेत्र में कोई शिक्षा में कुछ हो या न हो, इसका कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन एक व्यक्ति लगातार जिस तरीके से सदन में बैठे गरिमामयी पद पर, चाहे वह देश का प्रधान मंत्री हो, चाहे विपक्ष के सबसे बड़े लीडर हों, जिस तरीके से देश के सम्मान को दुनिया में गिरवी रखने की कोशिश की जा रही है। जिस तरीके से प्रधान मंत्री का मामला उठा है कि क्या उनकी डिग्री सही है या गलत है, उसके लिए कभी दिल्ली के कॉलेज में चला जाना, कभी वे कहते हैं कि हम इंवेस्टिगेशन ऑफिसर हो गए। उन्होंने अपनी विधान सभा में 16 ऐसे बिल पास किए हैं, जो उनके अंतर्गत नहीं आते हैं। जो बिल उनके अंतर्गत आते हैं, उन पर वे काम नहीं करते हैं। वे उस तरह के बिल को पास करते हैं जिनके लिए गृह मंत्रालय से पूछने की जरूरत है। एक तो संवैधानिक मर्यादा समाप्त, लोकतांत्रिक मर्यादा समाप्त और लगातार हिंदुस्तान के 120 करोड़ लोगों के स्वाभिमान और सम्मान पर हमला हो रहा है। दुनिया यह देखने के लिए आतुर है कि क्या हिंदुस्तान का प्रधान मंत्री इतना बेबस और कमज़ोर है, क्या इतना अशिक्षित है कि लगातार शिक्षा के सवाल को उठाया जा रहा है। दुनिया में जिस भारत की गरिमा है उसको जिस तरीके से एक प्रदेश का मुख्यमंत्री लगातार ठेस पहुंचा रहा है, क्या पूरे प्रकरण को, लगातार सत्ता के पहले से ले कर आज तक जो उनकी ठगने की प्रक्रिया रही है और जिस तरीके से धन इकट्ठा कर के उन्होंने झूठ पर झूठ बोल कर अपनी सत्ता के महल को खड़ा किया है, क्या *â€¦* के खिलाफ सीबीआई जांच नहीं होनी चाहिए? क्या *â€¦* को माफी नहीं मांगनी चाहिए। क्या दिल्ली के मुख्य मंत्री को माफी नहीं मांगनी चाहिए कि जिस तरीके से वे भारत के 120 करोड़ लोगों के सम्मान के साथ खेल रहा है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : किसी का नाम नहीं जाएगा। अब आप समाप्त करें।

श्री गजानन कीर्तिकर।

*m02

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री राजेश रंजन द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।